हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 8 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जनसुनवाई में आए 95 आवेदन, कलेक्टर श्री धोटे ने निराकरण के दिए निर्देश

मण्डला। राज्य शासन के निर्देशानुसार जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिला योजना भवन में किया गया। इस जनसुनवाई में कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने दूर-दराज से आए नागरिकों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना और कुल 95 आवेदनों पर संज्ञान लिया। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने मौके पर उपस्थित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि वे प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी आवेदक को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

7 जुलाई को जिले में 48.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज, मंडला तहसील में सर्वाधिक 105.2 मिमी बारिश

मण्डला। जिले में मंगलवार 7 जुलाई को औसतन 48.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वहीं 1 जून से 7 जुलाई 2026 तक जिले में 243.9 मिमी संचयी (प्रोग्रेसिव) वर्षा रिकॉर्ड की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 700.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। तहसीलवार वर्षा के अनुसार मंडला तहसील में सर्वाधिक 105.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा बिछिया में 53.6 मिमी, घुघरी में 49.6 मिमी, नैनपुर में 47.4 मिमी, निवास में 17.8 मिमी तथा नारायणगंज में 15.7 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। संचयी वर्षा के आंकड़ों के अनुसार मंडला तहसील में 343.0 मिमी, घुघरी में 301.9 मिमी, नैनपुर में 296.8 मिमी, बिछिया में 239.6 मिमी, निवास में 161 मिमी तथा नारायणगंज में 86.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर श्री धोटे ने किया नगर का औचक निरीक्षण

कहां है टाऊन एवं कंट्री प्लान वाले

* ग्रीन जोन, यलो जोन और रेड जोन के मायने क्या?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

किसी भी नगर के विकास के लिये एक ठोस योजना बनाई जाती है जो कि नगर की भौगोलिक परिस्थिति को देखकर तैयार की जाती है। इसमें इस बात का ध्यान रखा जाता है कि किस स्थान पर निर्माण कार्य किये जा सकते हैं और कौन सी जगह खाली रखी जानी है। कौन सी वह जगह है जहां से पानी की निकासी होगी और जो निर्माण होंगे वे किस स्तर के होंगे रहवासियों के लिये मूलभूत सुविधायें क्या-क्या होंगी और इन सुविधाओं को किसके माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा।

हम अपने नगर की बात करें तो नगर एवं ग्राम निवेश की योजनाओं को दृष्टिगत रखते हुये शायद कोई काम नहीं हुआ तीन ओर से माँ नर्मदा से घिरे इस शहर में नगरपालिका क्षेत्र तो सीमित है लिहाजा अधिकांश निर्माण ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुये है जहां अनापत्ति प्रमाण पत्र महज रूपये खर्च कर देने पर ही मिल जाती है फिर आप नियमों का पालन करें अथवा नहीं कोई फर्क नहीं पड़ता।

ग्राम पंचायत द्वारा जो एनओसी जारी की जाती है उसके लिये नगर एवं ग्राम निवेश की गाइड लाइन को नहीं देखा जाता और न ही उनके निर्देशों का पालन किया जाता है कि यही कारण है कि अधिकांश रेड जोन क्षेत्र में भी बाकायदा बड़े-बड़े निर्माण नजर आ रहे हैं।

नगर एवं समीपी क्षेत्रों में जो कॉलोनी विकसित हुई है वे खेतों के ऊपर बनाई जा रही है खेतों को प्लाट बदलकर मनचाहे दामो में विक्रय किया जा रहा है कॉलोनियों में न तो पक्की सड़क नजर आती है और न ही पानी की निकासी की कोई सुविधा।

राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की नाक के नीचे इस तरह की अवैध कॉलोनियों में धड़ल्ले से प्लाट काटे गये और निर्माण भी हो गये लेकिन न तो कोई कार्यवाही हुई और न ही नियमों पर कोई चर्चा। अब जब रहवासी परेशान हो रहे हैं तो फिर हाय-तोबा किस लिये।

थोड़ी सी बारिश में नगर जलमग्न हो रहा है, सड़कों की दुर्दशा पर तो अब चर्चा भी नहीं होती, बारात घर, मैरिज गार्डन के सामने घंटों जाम लग रहे हैं लेकिन इससे जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता, नगरपालिका क्षेत्र में नालों के ऊपर बड़े-बड़े निर्माण कार्य हो रहे हैं, बगैर अनुमति कैसें तलघरों के निर्माण हो जाते हैं तो वहीं 4-4 मंजिला भवन क्या शासकीय अनुमति के आधार पर बन रहे हैं या फिर जिसकी लाठी उसकी भैंस।

इस तरह की अनदेखियों का ही परिणाम है कि आज क्या छोटा क्या बड़ा सभी नगरवासी परेशान है और अब प्रशासन सड़क पर उतरा है देखना है कि आने वाले समय में क्या व्यवस्थायें दुरूस्त होंगी जिन्होंने नियमों की अनदेखी की है उन पर क्या कार्यवाही होगी और जो अधिकारी जानबूझकर अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही रहे हैं उनकी क्या जिम्मेदारी तय की जायेगी।

मण्डला कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

जिले में लगातार हो रही बारिश और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने मंगलवार को नगर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने माहिष्मती घाट, चिलमन चौक, बुधवारी, उदय चौक और हॉस्पिटल रोड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को जनसुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी छोटे-बड़े नालों और नालियों की तत्काल एवं नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंडला में ट्रक से टकराकर चकनाचूर हुई कार

* एयर बैग खुलने से बची चार युवकों की जान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले के गाजीपुर के पास मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब जबलपुर से बिछिया की ओर जा रही एक मैग्नाइट कार (MP 20 FX 3319) ओवरटेक करते समय सामने से आ रहे ट्रक (RJ 41 GA 6737) से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

दुर्घटना के समय कार के सभी एयर बैग समय पर खुल गए, जिससे भीषण टक्कर के बावजूद चारों युवकों की जान बच गई।

घायलों की पहचान अजय सोनी, जगदीश रजक, भूपेंद्र उईके और शिवेंद्र उईके के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अजय सोनी और जगदीश रजक दिल्ली से लौट रहे थे, जिन्हें लेने भूपेंद्र और शिवेंद्र जबलपुर रेलवे स्टेशन गए थे। ये चारों युवक बिछिया और राजो क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी। ओवरटेक करते समय चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप कार सीधे सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंचीं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मंडला जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर यातायात को सामान्य कराया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

महिला ने दिया एक साथ 4 बच्चों को जन्म, जन्म के बाद चारों की हुई मौत

मण्डला/भुआबिछिया। 07 जुलाई 2026 को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया में एक मां ने एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया- दुर्भाग्य से जन्म के बाद चारों बच्चों का निधन हो गया बताया गया कि घुटाश नयेगवा निवासी श्रीमति राजनी सिंगराम पति गणेश सिंगराम दिन में 12 बजे स्वयं की गाड़ी से स्वस्थ केंद्र प्राथमिक चेकप कराने पहुंचे मगर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते ही गाड़ी में उन्होंने दो बच्चों को जन्म दिया स्वस्थ केंद्र में भर्ती करने के दौरान दो बच्चों को ओर जन्म दिया इस तरह कुछ समय में चार बच्चों को जन्म दिया मगर दुर्भाग्य बस चारों की मौत हो गई, डाक्टर अनूप सिंह भारतीय बीएमओ ने बताया कि महिला की प्रेग्नेशी 9 माह में होनी थी मगर अचानक दर्द होने के कारण चेक कराने स्वस्थ केंद्र लाया गया था, मगर सात वीक पूर्व प्रेग्नेसी होने कारण बच्चों को सही पोषण नहीं मिलने ओर कम समय होने के कारण नहीं बचाया जा सका वहीं मां पूरी तरह स्वस्थ हे स्थानीय स्वस्थ केंद्र में यह पहला अवसर है जब किसी महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया।

एमएसएमई उद्यमियों के लिए 8-9 जुलाई को मंडला में दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने तथा उद्यमियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय एवं विश्व बैंक समर्थित ताडच योजना के अंतर्गत 8 एवं 9 जुलाई को मंडला में दो दिवसीय कम्पोजिट वर्कशॉप आयोजित की जाएगी।

यह कार्यशाला नगरीय क्षेत्र से लगे ग्राम बिंझिया में जबलपुर रोड पर स्थित एक निजी रेस्टोरेंट (परम आनंद फेमिली रेस्टोरेंट) में प्रतिदिन 11 से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित की गई है। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्यमियों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), इच्छुक उद्यमियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों को उद्योग विकास से संबंधित योजनाओं, प्रमाणन प्रक्रियाओं तथा डिजिटल व्यापार के अवसरों की जानकारी प्रदान करना है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को उद्यम पंजीकरण, जेडईडी पंजीकरण एवं प्रमाणन, ओएनडीसी ऑनबोर्डिंग, वित्तीय क्लीनिक, बीआईएस प्रमाणन, ईएसजी एवं आरईसीपी, एसएचजी फॉर्मलाइजेशन सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही वॉक-इन एवं कियोस्क सुविधा के माध्यम से उद्यम पंजीकरण, जेडईडी पंजीकरण तथा ओएनडीसी ऑनबोर्डिंग जैसी सेवाओं का लाभ भी मौके पर उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति-2025, स्टार्टअप नीति-2025, भूमि आवंटन नियम-2025, आरएएमपी एवं एमएसई स्पाईस योजना सहित राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की जाएगी। विशेषज्ञ गुणवत्ता सुधार, बाजार विस्तार, डिजिटल कॉमर्स, वित्तीय सहायता तथा व्यवसाय की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर भी मार्गदर्शन देंगे।

मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड ने जिले के सभी एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों एवं उद्योग संघों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यशाला में सहभागिता कर सरकारी योजनाओं एवं उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है।

आश्रम एवं छात्रावासों के निरीक्षण में दिए गुणवत्ता और सुरक्षा के निर्देश

मण्डला। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. अरूण शुक्ला ने विकासखंड बीजाडांडी के भ्रमण के दौरान आदिवासी कन्या आश्रम डोंगरी, माता शबरी आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीजाडांडी का निरीक्षण किया। कन्या आश्रम में छात्राओं की कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को प्रतिदिन शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निरीक्षण में आश्रम एवं छात्रावासों में स्वच्छता, शौचालयों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था तथा परिसर की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही प्रत्येक माह विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा शासन द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश। सहायक आयुक्त ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को क्षेत्र के सभी विद्यालयों, छात्रावासों एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक समाधान करने के लिए भी कहा गया। इस दौरान बीईओ, बीआरसी सहित संबंधित मौजूद रहे।

बालई पुल से नीचे नदी में गिरी बुलेरो

* महिला रेंजर समेत चार लोग घायल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर टिकरिया थाना क्षेत्र में सोमवार रात करीब 9:30 बजे जबलपुर से मंडला आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो बालई नदी के पुल की रेलिंग तोड़कर करीब 25-30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। इस गाड़ी में चार लोग सवार थे।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बोलेरो ड्राइवर ने बताया कि रास्ते में अचानक एक मोटरसाइकिल सवार सामने आ गया था। उसे बचाने की कोशिश में गाड़ी अचानक अनियंत्रित हो गई और पुल की रेलिंग को तोड़ती हुई सीधे नीचे जा गिरी।

गनीमत यह रही कि हादसे के समय बालई नदी में पानी कम था और बोलेरो सीधे नीचे गिरी, पलटी नहीं। इस वजह से गाड़ी के अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका मिल गया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

इस हादसे में मंडला की रेंजर सोनम जैन सहित गाड़ी में सवार सभी चार लोग घायल हो गए हैं। दुर्घटना होते ही आस-पास के स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और तुरंत राहत काम शुरू कर सभी घायलों को गाड़ी से सुरक्षित बाहर निकाला। प्राथमिक इलाज के बाद रेंजर सोनम जैन की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है।

घायलों में एक तीन वर्षीय बालक अभ्यांश जैन, सोनम जैन (36) शिवानी यादव (19) शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने के साथ ही नदी में गिरी बोलेरो को क्रेन की मदद से बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्रतियोगिता | डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर क्विज व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।

प्रतिभावान छात्रों ने बढ़-चढ़कर दिखाया उत्साह

* भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की पहल मेरा युवा भारत के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एनएसएस एवं एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य कल्पना नामदेव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। शिक्षक विपिन लखेरा ने मंच संचालन करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि डॉ. मुखर्जी एक महान शिक्षाविद, प्रखर विचारक और सच्चे राष्ट्रभक्त थे।

प्राचार्य कल्पना नामदेव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

शिक्षक आर.के. हरदहा ने भी डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों से उनके विचारों को आत्मसात करने की अपील की। कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी प्रवीण अग्रवाल, मेरा युवा भारत कार्यक्रम अधिकारी रघुनंदन झारिया, सहायक कर्मचारी अनुराग राय, युवा भारत के स्वयंसेवक शिवम ठाकुर सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की।

खबर संक्षेप

विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 11 को

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर की सामाजिक संस्था पहलवान मित्र मंडल द्वारा स्व. भागचंद पहलवान गंगापारी' की 23 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर इस वर्ष भी विशाल निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी सेवा भाव को समर्पित यह शिविर 11 जुलाई 2026 दिन शनिवार को नगर के नया बस स्टैंड पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जावेगा। बताया जाता है कि इस शिविर में सक्षम भारत संस्था एवं दादा विरेंद्र पुरी आई हॉस्पिटल देव जी नेत्रालय जबलपुर के सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक एवं उनकी कुशल टीम उपस्थित रहेगी। डॉक्टरों की टीम द्वारा जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया जाएगा। नेत्र परीक्षण के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए मरीजों का चयन कर उन्हें निःशुल्क ऑपरेशन के लिए जबलपुर ले जाया जाएगा। वही बताया जाता है कि आने-जाने, ऑपरेशन, दवा और भोजन की पूरी व्यवस्था निशुल्क रहेगी । आयोजन समिति ने अपेक्षा व्यक्त की है कि नेत्र रोग से पीड़ित सभी जरूरतमंद नागरिक शिविर में पहुंचकर अपना पंजीयन कराएं और निःशुल्क उपचार का लाभ लें। बुजुर्ग, महिला एवं दिव्यांग मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। शिविर में भीड़ से बचने और बेहतर व्यवस्था के लिए मरीजों से अग्रिम पंजीयन कराने का निवेदन किया गया है।

कुरपगांव के स्कूल में विधायक पटैल द्वारा किया गया निः शुल्क साइकिल वितरण

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। शासन द्वारा शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चों को निः शुल्क साईकिल प्रदान करने की योजना के तहत बीते हुये दिवस तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने ग्राम करपगाँव जन शिक्षा केंद्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न स्कूलों के छात्रों को निशुल्क साइकिल वितरित करते हुये उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मध्य प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओ लैपटॉप,स्कूटी मेधावी छात्रवृत्ति,साइकिल वितरण लाड़ली लक्ष्मी सहित अन्य योजनाओं से बालिका प्रोत्साहन एवं महिला सशक्तिकरण हुआ है। सभी छात्र छात्राएं अब स्कूल आसानी से आना जाना कर सकेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक कल्याणपुर शिवदास चढ़ार उपस्थित रहे।

निजी फाइनेंस कंपनियों ने गांव गांव फैलाया अपना गोरखधंधा, ग्रामीणों को गुमराह करते हुये किया जा रहा आर्थिक शोषण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। कुछ दिनों तक रोक लगने के बाद अब फिर क्षेत्र के गॉवों मे ऐसी निजी फाइनेंस कम्पनियों से जुड़े हाईटेक युवकों की रेडी उतर आयी है जो छोटे धंधों की शुरूआत के लिए ग्रामीण महिलाओं को ऋण देने का आश्वासन देकर अपने प्रलोभन के जाल मे गॉवों की भोली भाली अशिक्षित महिलाओं को फॅसाकर बड़े मीठे अंदाज मे उनका आर्थिक शोषण कर रहे है,हासिल जानकारी के अनुसार क्षेत्र के आसपास अनेक गांवों मे लम्बे समय से एक तथा कथित फाइनेंस कम्पनी से सम्बंधित कुछ युवक गॉव की महिलाओं को आत्मनिर्भरता का पाठ सिखाते हुए उन्हे ठगने की लगातार कोशिश कर रहे है? ज्ञात हुआ है कि उक्त कंपनी की तरफ से पति पत्नी की साथ फोटो प्रस्तुत करने पर महिलाओं को धंधा शुरू करने के लिए 8 हजार रू. लोन दिया जाता है तथा ऋण लेने वाली ग्रामीण महिला से हर हप्ते 20 रू. बीमा की राशि वसूल की जाती है? सूत्रों के अनुसार इन फाइनेंस कम्पनी से जुड़े लगभग 18-20 वर्ष के युवक हर सम्ताह ग्रामीण महिलाओं की बैठक भी करते है, जिसमें वे महिलाओं को लच्छेदार भाषा मे समझाते है कि छोटा व्यापार कर ग्रामीण महिलाएँ काफी धन कमा सकती है, विदित हुआ है कि ग्रामीण महिलाएँ इन युवकों की बाते सुनकर विभोर होकर अपने लड़कों की उम्र के फायनेंस कम्पनी के युवकों को सर कहने लगती है और उनसे ऋण लेने तैयार हो जाती है।
जागरूक ग्रामवासियों के अनुसार

रेल पुलिस द्वारा आधा दर्जन से अधिक चोरी के तीन आरोपियों को पकड़ने में हासिल की सफलता, पुलिस अधीक्षक ने गाडरवारा पहुंचकर किया खुलासा, नगर के रेलवे स्टेशन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कहा जाता है कि जब पहरेदारों द्वारा अपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ किया जाता है कि अपराधिक गतिविधियों में संल्गन रहने वाले किसी भी घटना को अंजाम देने में सफल नही हो पाते है। यदि उनके द्वारा किसी घटना को अंजाम दिया जाता है तो वह पुलिस की पकड़ से अधिक दिनों तक भागने में भी सफल नही होते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा रेल पुलिस थाने में देखने मिली है। यहां पर पुलिस स्टाफ में हुये फेर बदल के बाद टीआई एल पी कश्यप तथा पहलवान के पदभार ग्रहण करते हुये ही ट्रेनों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वालों में हडकंप की स्थिति दिखाई देना शुरू होते हुये देखने मिलने लगी है। इसी के चलते गाडरवारा रेल पुलिस द्वारा बीते हुये महिनों में चलती हुई ट्रेन के अंदर से लगभग आधा दर्जन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को पकड़ते हुये उनके पास से लगभग सात लाख से अधिक कीमत के जेबर सहित मोबाईल फोन जप्त करने में सफलता हासिल की गई है। इस तरह टीआई कश्यप की टीम द्वारा हासिल की गई इस सफता का खुलासा रेल पुलिस जबलपुर पुलिस अधीक्षक सुन्दर सिंह कनेश द्वारा गाडरवारा पहुंचकर पत्रकार वार्ता के दौरान खुलासा किया गया। इस संबंध में रेल पुलिस अधीक्षक कनेश द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि रेल पुलिस अधीक्षक सुन्दर कनेश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति भावना मरावी के दिशा निर्देश व उप पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुश्री अंकिता सुल्या के मार्ग दर्शन में रेल पुलिस द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों में रनिंग ट्रेनों, रेलवे स्टेशना में घटित होने वाली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में घटित हुई चोरी की घटनाओं के आरोपियों को खोजबीन के लिये लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस गाडरवारा रेल पुलिस थाना प्रभारी एल पी कश्यम तथा पिपरिया रेल चौकी प्रभारी ए एस आई व्ही पी पासी द्वारा संयुक्त टीम गठित करते हुये पिपरिया रेलवे स्टेशन पर कुछ संदिग्धों की गतिविधियों को देखते हुये जब उन्हें अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम विवेक रजक, अरविंद कुचबंदिया और फारूख खान तीनों निवासी पिपरिया के होना बताया गया। इस तरह संदेह के आधार पर पकड़े गये आरोपियों के संबंध में पुलिस थानों से रिकार्ड एकत्र किये जाने पर इनके खिलाफ चोरी सहित अन्य मामले दर्ज होने की जानकारी प्राप्त होने के बाद जब कश्यप की टीम द्वारा इन लोगों से सख्त लहजे से पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा ट्रेनों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार करते हुये लगभग आधा दर्जन यानि की 6 चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया गया। वही टीआई कश्यम की टीम में शामिल ए एस आई व्ही पी पासी, प्र आ अजय श्रीवास्तव, आ. अवधेश मिश्रा, रवि प्ररोहित व शिव प्रताप सिंह द्वारा आरोपियों के पास से अलग अलग स्थानों पर छिपा कर रखे हुई चोरी की सामग्री जिसमें सोने का हार, झुमकी, सोनी की चेन सहित चांदी के जेबर व 5 मोबाईल फोन कुल कीमत 8 लाख 6 हजार 500 की सामग्री जप्त करते हुये आरोपियों को गिरप्तार करते हुये मा. न्यायायल के समक्ष पेश करते हुये रिमार्ड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कनेश का कहना हे कि पकड़े गये आरोपियों का पूर्व का रिकार्ड होने के चलते अनुमान है कि हमारी टीम आरोपियों से अन्य चोरी की घटनाओं में आरोपियों द्वारा पार की गई सामग्री जप्त करने में सफल हो सकती है..? इस तरह गाडरवारा रेल पुलिस के रिकार्ड का शायद यह पहला अवसर होगा जब रेल पुलिस अधीक्षक द्वारा खुद ही गाडरवारा पहुंचकर अपनी टीम के जबाज सिपाहियों को उनकी सफलता पर सबासी देते हुये जहां उनका होसला बढ़ाते हुये पत्रकारों के बीच बैठकर खुलासा किया गया है..? इस तरह गाडरवारा रेल पुलिस थाने पहुंचे जबलपुर रेल पुलिस अधीक्षक सुन्दर सिंह कनेश द्वारा नगर के रेलवे स्टेशन का भ्रमण करते हुये वहां पर आमजन से मुलाकात करते हुये रेल पुलिस की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। वही दूसरी ओर रेलवे माल गोदाम के पास पहुंचकर वहां पर मौजूद हिम्मलों से भी चर्चा करते हुये रेलवे स्टेशन की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान रेल पुलिस अधीक्षक कनेश द्वारा नगर के रेल पुलिस थाने के अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त आदेश देते हुये कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही स्वीकार नही की जावेगी। नगर के रेल्वे स्टेशन सहित ट्रेनों में संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जावे। वही रात के समय रेल्वे स्टेशन पर संदिग्ध स्थिति में घूमने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जावे। इस तरह नगर के रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस विभाग के किसी अधिकारी को पहलीवार यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हुये उनके बीच पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुये पहलीबार देखे जाने पर रेल यात्रियों में खुशी दिखाई देने से नही चूक रही थी। वही दूसरी ओर स्थानीय रेल पुलिस थाने की कार्यवाही के चलते अब ट्रेनों से लेकर रेलवे स्टेशनों पर इस तरह चोरी लूट जैसी घटनाओं को अंजाम देने वालों में हडकंप की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पा रही है। इतना ही नही रेल पुलिस अधीक्षक कनेश द्वारा स्थानीय पत्रकारों से मुलाकात करते हुये कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही नही बरती जावेगी और यदि हमारी पुलिस द्वारा किसी तरह से कोई लापवाही की जाती है तो आप लोग खुद ही आधी रात को मेरे मोबाईल फोन पर सूचना दे सकते है। क्योंकि मै एसी की ठंड हवा में बैठकर काम करने वाले अधिकारियों में नही हूं। मुझे पर सरकार द्वारा जिस तरह विश्वास करते हुये रेल यात्रियों की सुरक्षा का जिम्मा सौपा गया है उसमें मेरे द्वारा किसी तरह से कोई न तो लापरवाही की जाती है और न ही मेरी टीम की लापरवाही स्वीकार की जा सकती है...?

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

मंगलवार को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा ने क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में अचानक पहुंचकर निरीक्षण कर शालेय व्यवस्थाओ का जायजा लिया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने नगर के शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सालीचौका के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद करते हुये उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल आकर बेहतर पढ़ाई करें। बोर्ड परीक्षा की तैयारी एक कार्ययोजना बनाकर करें। डीईओ कुशवाहा ने निरीक्षण के दौरान तूमड़ा के नवनिर्मित शाला भवन एवं ग्राम निमावर में शासकीय हाईस्कूल का अवलोकन किया एवं शेक्षणिक व्यवस्थाओ से जुड़े आवश्यक निर्देश दिये। ग्राम मेहरागाँव पहुँचकर प्राथमिक शाला को शासकीय हाईस्कूल में संचालित करने के निर्देश दिये। इसके अलावा मिट्टी के कटाव से स्कूल की बिल्डिंग के लिए संभावित खतरे को देखते हुए आरईएस विभाग से आवश्यक सुधार किये जाने की बात भी कही गई। बताया जाता है कि इस साल राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। इस आयोजन की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उन्होंने रूद्र मैदान गाडरवारा, एनटीपीसी खेल मैदान, उत्कृष्ट स्कूल खेल मैदान साईंखेड़ा सहित अन्य मैदानो का अवलोकन किया। सम्पूर्ण दौरे में जिला क्रीड़ा अधिकारी एवं खेल शिक्षक विक्रम शर्मा साथ रहे।

सृष्टि सेवा संकल्प के स्थापना दिवस पर मेहरागाँव में बना "सिंहस्थ स्मृति उपवन"

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। सृष्टि सेवा संकल्प के पाँचवें स्थापना दिवस के अवसर पर समीपस्थ ग्राम मेहरागाँव इकाई द्वारा ग्राम के मुक्तिधाम परिसर में सिंहस्थ की पावन माटी के पूजन के साथ "सिंहस्थ स्मृति उपवन" का निर्माण किया गया। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाना तथा उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र की पावन माटी के माध्यम से गाँव-गाँव स्मृति उपवन विकसित कर प्रकृति संरक्षण के प्रति जनजागरण करना है।कार्यक्रम में सृष्टि सेवा संकल्प के प्रदेश अध्यक्ष आनंद राजपूत के मार्गदर्शन में संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं ग्राम के समस्त सृष्टिप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान विभिन्न देशज प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया।वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन का आधार ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। "सिंहस्थ स्मृति उपवन" जैसी पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को भी सुदृढ़ करने का कार्य करेगी।

अब बडे महानगरों की तर्ज पर अब छोटे शहरों से लेकर गांव गांव में फैल रहा है नशे का अवैध कारोबार चिंता जनक ...

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शराब के बाद शहर में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? युवा जिस तरह के नशें की चपेट में आते हुये देखे जा रहे है उसकी सच्चाई बडे महानगरों के तरह सिर्फ फिल्मों में ही देखने मिलती थी। मगर अब हमारे छोटे नगरों से लेकर गांव गांव में जो हकीकत देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक साबित होने से नही चूक रहे है..? फिल्मों में दिखाई देने वाले नशें का कारोबार तर्ज पर युवाओं को गांजे की कश लगाते हुये देखने के साथ साथ स्मैक पावडर का सेवन करते हुये दिखाई देना कोई बड़ी बात नही रही है..? इस तरह गांजा पावडर क्षेत्र में आसानी से मिलने के साथ दुकानों पर विक्रय हो रही विदेशी महँगी सिगरेटो के फूँकने के दौरान युवाओं,किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है? वही क्षेत्रवासी भी अपने क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है, भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक होने के साथ साथ पूरे परिवार को बर्बादी की ओर ले जाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदि हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है। विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है? जागरूक शहरवासियो का कहना है कि पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देखभाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

किसी दिन बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं बीच बाजार से निकलने वाले बडे वाहन

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को आने जाने के लिए अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की सोच रखते हुये गांव गांव पक्की सड़को का निर्माण कराया गया जा रहा है, मगर सरकार द्वारा ग्रामीणों की सुविधाओं के नाम पर सड़को के निर्माण के लिए खर्च की जाने वाली यह करोड़ो की राशि निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सियों या फिर बडे वाहन मालिकों की मनमानी के भेट चढ़ने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि गांव गांव बनाई जाने वाली इन सड़कों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जहां वह निर्मित होने के चंद दिनों के उपरांत टूटना शुरू हो जाती है या फिर वह बडे वाहनों की भेंट चढ़ जाने के कारण ग्रामीणों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि खतरे की घंटे बजाने से नही चूक रही है? क्योंकि बडे वाहन चालकों द्वारा इन पक्की सड़कों पर जिस प्रकार से अपने बडे वाहनों को दौड़ाया जाता है उसके चलते सड़कों के किनारे रहने वाले लोगों की जान खतरे में पड़ने से नही चूक रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी में देखने मिल रही है जहां पर आये दिन गांव के अंदर से निकल रहे बडे वाहनों के चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा तो हो ही रहा है मगर सबसे भयानक स्थिति इस समय निर्मित हो जाती है जब यहां पर प्रति रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान देखने मिलती है, क्योंकि बाजार के पास से निकला हुआ मुख्य मार्ग से जहां दूर दूर से दुकाने लेकर आने वाले दुकानदारों को यहां से निकलने वाले बडे वाहनों के चलते खतरा दिखाई दे रहा है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए लोगों द्वारा बाजार के दिन यानि की रविवार को दोपहर 1 बजे से शाम 8 बजे तक इस मार्ग से बडे वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की जाने लगी है? यदि प्रशासन द्वारा समय रहते हुए इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

कागजों में दबकर समाप्त हो जाती है शासन की अनेक योजनाएं, नहीं मिल पाता है हितग्राहियों को लाभ

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। राज्य और केन्द्र शासन ने प्रदेश के विकास हेतु कई कल्याण कार्ययोजनाएं जनता के हितार्थ बना दी है कि उनकों अमलीजामा पहनाना संदिग्ध हो चला है, योजनाओं का कितना क्रियान्वयन हुआ है और क्या उसमें कमी है जिसके चलते इसकी सूक्ष्मता से जांच जरूरी है? क्योंकि कागजी आंकड़ों मे योजनाओं को सफल बता दिया जाता है, इसके लिए जिम्मेदार होते है नौकरशाह और अफसरशाही वर्ग जो कि नेताओं को गुमराह कर योजनाओं को नीतियों को सफल क्रियान्वयन होना तो बता देते है परंतु नतीजा शून्य ही होता है? जिस प्रकार से शासन द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान रखते हुये योजनाओं की झड़ी लगा दी परंतु योजनाओं की परिणति क्या हुई होगी, इसका अंदाजा पूर्व से लेकर अब तक ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि बने बैठे पार्टी के हम दर्दियों द्वारा ही प्रदेश के मुखिया की योजनाओं को किस प्रकार से क्रियान्वयन किया जा रहा है जो मात्र कागजों में तो दिखाई देते हुये जान पड़ रहा है...? इसकी सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखने मिली सकती है। जहां पर कागजो पर तो पंचायत में विकास कार्यो की गाड़ी पूरी तप्तार से दौड़ रही है, मगर सच्चाई कुछ और ही है। क्योंकि देखा जा रहा है कि प्रदेश मे पंचायतीराज, भ्रष्टाचार इर्ष्याद्वेष एवं भाई भतीजावाद के आधार पर चल रहा है...? पंचायतों के माध्यम से जिन योजनाओं के कार्य सौंपे जाते है उनमे सही एवं पात्र लोगों को लाभ न मिलकर अन्य लोगों को इसका लाभ मिल जाता है और जिन पंचायतों मे आदिवासी सरपंच है एवं महिला सरपंच है उनके कर्ताधर्ता उप सरपंच या सचिव होते है जो सामान्य या अन्य वर्ग के होते है जो भाई भतीजावाद के आधार पर सरपंच को गुमराह कर शासन की राशि पर पलीता लगाते रहते है? शासन को उक्त समस्त योजनाओं की पुनः खोज खबर लेनी होगी ताकि प्रदेश सरकार को अपनी महत्ता के साथ साथ अपनी ही पार्टी के पंचायत स्तर पर बैठे जनप्रतिनिधियों की पंचायतों की जांच करना जरूरी है, क्योंकि देखा जाता है कि अक्सर पार्टी के लोग ही अपने नेता को मलाई खाने के चक्कर में बर्बाद कर देते है? जबकि इसमें बड़े नेता का कही कोई दोष नही होता है,

खबर संक्षेप

प्रिंटिंग प्रेस के समीप शराब दुकान के पास फैली गंदगी से रहवासी परेशान

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 5 स्थित प्रिंटिंग प्रेस के समीप शराब दुकान के आसपास फैली गंदगी से स्थानीय रहवासियों में नाराजगी है। क्षेत्र के रहवासियों द्वारा उपलब्ध कराए गए फोटो एवं जानकारी के अनुसार शराब दुकान के आसपास खाली कांच की बोतलें डिस्पोजेबल गिलास प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नाली और सड़क किनारे जमा है। इससे नाली का प्रवाह प्रभावित हो रहा है और आसपास अस्वच्छ वातावरण बना हुआ है। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में नियमित सफाई नहीं होने के कारण समस्या लगातार बढ़ रही है। बरसात के मौसम में नाली जाम रहने से जलभराव दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बनी रहती है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र का शीघ्र निरीक्षण कर नालियों की सफाई कराई जाए नियमित कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि क्षेत्रवासियों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

हसदेव क्षेत्र की कॉलोनियों में बदहाल सफाई व्यवस्था, लाखों के टेंडर के बाद भी गंदगी का अंबार

राजनगर। हसदेव क्षेत्र के राजनगर आर.ओ. अंतर्गत संचालित एसईसीएल की श्रमिक कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लाखों रुपये के सफाई टेंडर होने के बावजूद कॉलोनियों में नियमित सफाई नहीं होने से कामगारों और उनके परिवारों में भारी नाराजगी है। कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदार मनमाने ढंग से काम कर रहा है, जबकि सिविल विभाग निगरानी और कार्रवाई करने में पूरी तरह सुस्त नजर आ रहा है। राजनगर आरओ की ए-टाइप न्यू राजनगर कॉलोनी, बी-टाइप न्यू राजनगर कॉलोनी, कमलनगर, सुभाषनगर, प्रेमनगर, वर्कशॉप के सामने स्थित कॉलोनी तथा वार्ड क्रमांक-11 स्थित बच्चों के पार्क सहित कई श्रमिक बस्तियों में नियमित सफाई नहीं होने से जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। अधिकांश नालियां जाम हैं, जिससे बरसात का पानी सड़कों और गलियों में बह रहा है। खुले में पड़ा कचरा बारिश के साथ फैलकर संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले शांतिनगर कॉलोनी के युवाओं ने उपक्षेत्रीय प्रबंधक राजनगर आरओ राजेश कुमार राय को ज्ञापन सौंपकर सफाई व्यवस्था की शिकायत की थी। शिकायत के बाद उपक्षेत्रीय प्रबंधक के निर्देश पर सिविल विभाग हरकत में आया और शांतिनगर में सफाई अभियान शुरू कराया गया। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है। कि क्या हर कॉलोनी के कर्मचारियों को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए अलग-अलग ज्ञापन देना पड़ेगा, तभी व्यवस्था सुधरेगी? कामगारों का कहना है कि यदि सिविल विभाग नियमित रूप से निगरानी करे और ठेकेदार से तय शर्तों के अनुसार कार्य कराए तो कॉलोनियों की यह स्थिति नहीं बने। वर्तमान हालात विभागीय लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी को उजागर कर रहे हैं।

नगर परिषद के सफाई मित्रों से बची हुई है व्यवस्था- स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के स्वच्छता मित्र समय-समय पर सफाई कर स्थिति को कुछ हद तक संभाल लेते हैं। यदि उनका सहयोग भी न मिले तो कॉलोनियों और मुख्य सड़कों पर सुबह-शाम गोबर और कचरे के ढेर आम दृश्य बन जाएं। सफाई व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल व्यवस्था भी कर्मचारियों की चिंता का विषय बनी हुई है। श्रमिक कॉलोनियों की पानी की टंकियों की लंबे समय से सफाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। शांतिनगर की पानी टंकी, घरों की छतों पर लगी टंकियां, न्यू राजनगर फिल्टर प्लांट की ओवरहेड टंकी और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की टंकियों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें काई जम गई है। नलों के माध्यम से घरों तक पहुंचने वाले पानी में काई आने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं, जिससे विशेष रूप से महिलाओं में नाराजगी बढ़ रही है। कामगारों ने मांग की है ।

मूसलाधार बारिश से नगर में जलभराव, एसडीएम ने किया निरीक्षण

नगर परिषद को तत्काल राहत एवं जल निकासी के दिए निर्देश

शहपुरा। लगातार हो रही बारिश के बीच सोमवार को हुई मूसलाधार वर्षा से शहपुरा नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई सड़कों पर पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित हुआए जबकि जल निकासी बाधित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने नगर परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ नगर के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने जलभराव वाले स्थानोंए अवरुद्ध नालियों और प्रभावित मार्गों का जायजा लेकर तत्काल राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के अमले ने कई स्थानों पर नालियों की सफाई कर जल निकासी का कार्य शुरू कराया। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में पानी जमा हैए वहां प्राथमिकता के आधार पर निकासी सुनिश्चित की जाएए ताकि आमजन को जल्द राहत मिल सके।उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखनेए बंद नालियों की समय पर सफाई कराने तथा नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए। एसडीएम ने कहा कि मानसून के दौरान नगर परिषद का अमला पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत उपलब्ध कराए।निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन की कार्रवाई के बाद कई स्थानों पर जल निकासी शुरू होने से लोगों को राहत मिली। वहीं स्थानीय नागरिकों ने भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नगर की जल निकासी व्यवस्था को स्थायी रूप से मजबूत किए जाने की आवश्यकता जताई।

जनसुनवाई में उठे शिक्षाए आवासए बिजली और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश

डिंडौरी। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे नागरिकों ने शिक्षाए राजस्वए आवासए स्वास्थ्यए पेयजलए बिजली एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समय.सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में आर्थिक सहायताए अनुकंपा नियुक्तिए मुख्यमंत्री जनकल्याण ;संबलद्ध योजनाए नामांतरणए प्रधानमंत्री आवास योजनाए सड़क और पेयजल से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव थाए उनका मौके पर ही समाधान कराया गयाए जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया।

जल्दा मुड़िया निवासी पीतम सिंह ने राशन पात्रता पर्ची में वैवाहिक स्थिति गलत दर्ज होने से बच्चों की पढ़ाई और अन्य शासकीय कार्य प्रभावित होने की शिकायत की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए।ग्राम कोको के मुकद्दम टोला के ग्रामीणों ने लंबे समय से खराब पड़े विद्युत ट्रांसफार्मर के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या बताते हुए नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री को स्थल निरीक्षण कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्रीमती अनुसुईया बाई धुर्वे ने पति की डूबने से हुई मृत्यु के बाद मुख्यमंत्री जनकल्याण ;संबलद्ध योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि दिलाने का आवेदन दिया। वहीं डिंडौरी निवासी संतोष कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। श्री धनेश्वर कुमार ने जिला चिकित्सालय में एचसीवी पॉजिटिव मरीजों के लिए आवश्यक मशीन संचालित नहीं होने से डायलिसिस के लिए अन्य जिलों में जाना पड़ने की समस्या बताई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।ग्राम कूंडा निवासी श्रीमती श्वेता मरावी ने रसोइया के रिक्त पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि पति द्वारा परित्यक्त किए जाने के बाद तीन नाबालिग बच्चों के पालन.पोषण में उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने सहायक आयुक्तए जनजातीय कार्य विभाग को प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए एसडीएम रामबाबू देवांगनए डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खसरा सुधार को लेकर एसडीएम से शिकायतए जांच की मांग

डिंडौरी, शहपुरा। शहपुरा तहसील अंतर्गत ग्राम बरखेड़ा निवासी एक ग्रामीण ने राजस्व अभिलेख में सुधार नहीं होने और कथित रूप से राशि मांगने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्ध शहपुरा को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।शिकायतकर्ता राजेन्द्र प्रसाद झारिया ने आवेदन में बताया है कि ग्राम बरखेड़ाए हल्का क्रमांक.46 रानीमऊ.कोहनी देवरी स्थित उनकी भूमि के सात खसरे दर्ज हैं। उनके अनुसार छह खसरे एक ही बी.1 अभिलेख में दर्ज हैंए जबकि एक खसरा अलग बी.1 में दर्ज होने से राजस्व रिकॉर्ड में विसंगति बनी हुई है। उन्होंने इस त्रुटि के सुधार के लिए संबंधित पटवारी से संपर्क किया था।आवेदन में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि खसरा सुधार की प्रक्रिया के दौरान उनसे 5 हजार की मांग की गई। उनका यह भी कहना है कि राशि नहीं देने पर उनका कार्य लंबित रखा गया। उन्होंने एसडीएम से पूरे मामले की जांच कर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा राजस्व अभिलेख में आवश्यक सुधार कराने का अनुरोध किया है।

डायरिया रोकथाम अभियान तेजए गांव.गांव पहुंचकर पेयजल स्त्रोतों का किया जा रहा क्लोरीनीकरण

शहपुरा। बरसात के मौसम में जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ;पीएचईडीद्ध शहपुरा द्वारा विकासखंड शहपुरा एवं मेहंदवानी के विभिन्न गांवों में श्डायरिया रोको अभियानश चलाया जा रहा है। अभियान एसडीओ गगन कुम्हरे के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।अभियान के तहत शहपुरा विकासखंड के अमठेराए मालपुरए अमेराए बरगांवए पिटरीमालए डुंगरियाए मुड़कीए उमरियाए कंचनपुरए बांकीमालए गुटलीमालए चांटीमाल और गणेशपुर सहित मेहंदवानी विकासखंड के पांडरी टोला मालए छिरपानीए तेंदूडीह मालए जैतपुरीए कछारी रैयतए दुलहरीए बिसवानी रैयत और मतियारी गांवों में विभागीय अमला पेयजल स्त्रोतों का निरीक्षण कर रहा है। टीमों द्वारा हैंडपंपों एवं अन्य पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनीकरण किया जा रहा है। साथ ही पेयजल की गुणवत्ता की जांच कर ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लोगों को उबला या स्वच्छ पानी पीनेए पानी को ढककर रखनेए भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने तथा डायरिया या अन्य जलजनित बीमारियों के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह भी दी जा रही है।एसडीओ गगन कुम्हरे ने बताया कि मानसून के दौरान जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए विभाग संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रख रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गांव में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना तथा पेयजल स्त्रोतों की स्वच्छता और गुणवत्ता बनाए रखना है।

सामाजिक बहिष्कार और अवैध वसूली के आरोपों की शिकायतए कलेक्टर से जांच की मांग

डिंडौरी। शहपुरा निवासी रामदीन चक्रवर्ती एवं उनकी पत्नी ने कलेक्टर को आवेदन देकर सामाजिक बहिष्कारए मानसिक प्रताड़ना और कथित रूप से धनराशि की मांग किए जाने की शिकायत की है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई तथा परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।आवेदन में शिकायतकर्ताओं ने बताया है कि वर्ष 2022 में परिवार के एक सदस्य द्वारा अपनी इच्छा से विवाह करने के बाद से उनका सामाजिक बहिष्कार किया जा रहा है। उनका आरोप है कि उन्हें समाज के कार्यक्रमों में शामिल होने से रोका जा रहा है तथा लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि पहले उनसे 35 हजार रुपये लिए गए और बाद में 20 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि की मांग की गई। आवेदन के अनुसारए 5 जुलाई 2026 को आयोजित समाज की बैठक में 35 हजार रुपये देने के बावजूद अतिरिक्त राशि की मांग जारी रही। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि राशि नहीं देने पर समाज से पूर्ण बहिष्कार करने तथा परिवार की बेटियों के विवाह में बाधा उत्पन्न करने की धमकी दी गई।

आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि इन परिस्थितियों के कारण परिवार की दो अविवाहित बेटियों और एक पुत्र का भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा विवाह संबंध स्थापित करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांचए आवश्यक कानूनी कार्रवाईए एफआईआर दर्ज करने और परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

आरोपों का किया खंडन

इस संबंध में भाजपा शहपुरा मंडल अध्यक्ष भजन चक्रवर्ती ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार और बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं और उन्होंने किसी प्रकार का अनुचित कृत्य नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रशासन की निष्पक्ष जांच प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और जांच में वास्तविक तथ्य सामने आ जाएंगे।मामला फिलहाल शिकायत के स्तर पर है। प्रशासन की ओर से आवेदन प्राप्त होने के बाद जांच की प्रक्रिया के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपों की पुष्टि या खंडन जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

बूंद-बूंद पानी को तरसे सैकड़ों लोग

दीनदयाल रसोई, पुलिस लाइन और आसपास के वार्डों में गहराया पेयजल संकट

शिकायतों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन; नगर पालिका की जवाबदेही पर उठे गंभीर सवाल

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर की लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। शहर के पुराने नगर पालिका भवन परिसर में स्थापित पेयजल पंप पिछले 19 दिनों से बंद पड़ा है, लेकिन अब तक उसकी मोटर की मरम्मत या नई मोटर लगाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसका खामियाजा दीनदयाल रसोई में भोजन करने आने वाले जरूरतमंद लोगों, पुलिस लाइन के कर्मचारियों और आसपास के वार्डों में रहने वाले सैकड़ों परिवारों को भुगतना पड़ रहा है। लोग रोजाना पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए नागरिकों का इस तरह परेशान होना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सबसे अधिक परेशानी दीनदयाल रसोई में भोजन करने आने वाले गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों को हो रही है, जिन्हें भोजन के साथ स्वच्छ पेयजल तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा। दूसरी ओर पुलिस लाइन के कर्मचारी और आसपास के वार्डों के रहवासी भी पिछले 19 दिनों से जल संकट झेल रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद नगर पालिका ने समस्या के समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यदि यही समस्या किसी वीआईपी क्षेत्र में होती तो कुछ घंटों के भीतर मोटर बदलकर पानी की व्यवस्था बहाल कर दी जाती, लेकिन आम जनता की परेशानी को नजरअंदाज किया जा रहा है। 19 दिनों तक एक खराब मोटर को नहीं बदल पाना नगर पालिका की कार्यक्षमता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। शहरवासियों का कहना है कि नगर पालिका का पहला दायित्व नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है, लेकिन सबसे बुनियादी सुविधा ही लोगों को नहीं मिल पा रही है। विडंबना यह है कि मानसून के मौसम में भी शहर के बीचों-बीच लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि नगर पालिका की प्राथमिकताओं में आम जनता की मूलभूत समस्याएं पीछे छूट गई हैं।

जनसुनवाई में त्वरित कार्रवाईए छात्र गौतम उरैती को मिला जन्म प्रमाण पत्र

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में प्राप्त एक आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत अझवार निवासी छात्र गौतम उरैती का जन्म प्रमाण पत्र जारी कर उसके परिजनों को सौंप दिया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर संबंधित विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया।ग्राम पंचायत अझवार निवासी श्रीमती मालती उरैती ने जनसुनवाई में आवेदन देकर बताया था कि उनके पुत्र गौतम उरैतीए जो वर्तमान में कक्षा 9वीं के छात्र हैंए का जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण विद्यालय में प्रवेशए छात्रवृत्ति तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर गौतम उरैती का जन्म प्रमाण पत्र तैयार किया गया और उनके माता.पिता को सौंप दिया गया।जन्म प्रमाण पत्र मिलने पर श्रीमती मालती उरैती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब उनके पुत्र को शिक्षा एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 8 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

बरगी नहरों से खरीफ सिंचाई के लिए 31 जुलाई तक किसानों से मांग पत्र आमंत्रित

गोटेगांव। वर्ष 2026 की खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए बरगी नहर परियोजना के अंतर्गत गोटेगांव एवं नरसिंहपुर तहसील के लगभग 126 ग्रामों के किसानों से 31 जुलाई 2026 तक मांग पत्र एवं अनुबंध पत्र प्रस्तुत करने की अपील की गई है। कार्यपालन यंत्री, रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर संभाग क्रमांक-2 गोटेगांव ने बताया कि मुख्य नहर की 63.420 से 81.300 किलोमीटर लंबाई तक स्थित हरेरी शाखा नहर, करेली एवं देवरी वितरण नहर, बगासपुर, रामनिवारी और तिघरा माइनरों सहित विभिन्न उप-माइनरों के माध्यम से लगभग 3 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की सिंचाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि वे जल उपभोक्ता संस्थाओं—देवनगर, दबकिया, मनकवारा, खमरिया, कुसीवाड़ा, कमोद, भैंसा, आंखीवाड़ा, देवरी, तिंदनी एवं मुराछ आदि—के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी, रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर उपसंभाग बगासपुर एवं गोटेगांव के कार्यालय में 31 जुलाई 2026 से पूर्व मांग पत्र एवं अनुबंध पत्र अनिवार्य रूप से जमा करें, ताकि निर्धारित समय पर नहरों से सिंचाई हेतु जल प्रवाहित किया जा सके।

उल्लास कार्यक्रम के तहत घर-घर जाकर किया जा रहा सर्वे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले में "उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" के अंतर्गत विशेष घर-घर साक्षरता सर्वे अभियान संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्री प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा संबंधित अधिकारियों, विकासखंड समन्वयकों एवं सर्वे कार्य से जुड़े अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा सर्वे की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। जिले में यह सर्वे अभियान एक जुलाई से प्रारंभ होकर 15 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना है, जो अब तक निरक्षर हैं या औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए हैं। सर्वे के दौरान प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर सदस्यों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित की जा रही है। सर्वे के दौरान जनगणना मकान क्रमांक, समग्र परिवार आईडी, परिवार के सदस्यों के नाम, आयु, माता-पिता का नाम, शैक्षणिक योग्यता एवं मोबाइल नंबर सहित आवश्यक जानकारी दर्ज की जा रही है। यह जानकारी आगे चलकर निरक्षर व्यक्तियों को साक्षरता केंद्रों से जोड़ने, अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने तथा उन्हें मूलभूत साक्षरता, संख्याज्ञान, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता से जोड़ने में उपयोगी होगी।

ई-केवायसी पंजीयन के लिए 10 जुलाई को लगने वाले शिविर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 10 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में 10 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के महाराणा प्रताप वार्ड व कामथ वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के नरसिंह वार्ड व संजय वार्ड, नगर पालिका करेली के लक्ष्मी नारायण वार्ड व महादेव वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के देवमुरलीधर वार्ड व गांधी वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 5 सरदार वल्लभ भाई पटेल व वार्ड क्रमांक 6 डेलन शाह, नगर परिषद चीचली, सालीचैका एवं सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

देरी से आई बारिश से किसानों को हुई परेशानी

बारिश के साथ बुवाई कार्य तीव्रता से जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे देरी से शुरू हुई वारिश के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा जैसे ही वारिश प्रारंभ हुई किसानों में खुशी की लहर देखने को मिली और किसानों ने मनमाफिक फसलों की वुवाई की गई। जिले में मानसून की शुरुआती सुस्ती से खरीफ सीजन की बोवनी में हुई देरी अब जाकर रफ्तार पकड़ती दिख रही है। मौसम से मिली राहत के बाद किसान दोबारा खेतों में उतर आए हैं। हालांकि कई क्षेत्रों में लगातार हुई बारिश से खेतों में जलभराव व अधिक नमी होने से बोवनी का कार्य अभी भी पूरी गति नहीं पकड़ सका है। मौसम अनुकूल रहने पर आने वाले दिनों में बोवनी का रकबा बढने की संभावना है। जिले में अब तक 91350 हेक्टेयर से अधिक रकबे में बोवनी हो चुकी है।

प्रमुख फसलों की बुबाई जारी

जिले में कृषि विभाग ने जिले में खरीफ की 12 प्रमुख फसलों की बोवनी के लिए 2 लाख 69 हजार 663 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके मुकाबले अब तक प्रमुख जिन फसलों की बोवनी लगातार बढ़ रही है। उनमें सबसे अधिक रकबे में मक्का और धान की बुवाई की गई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिले में अब तक मक्का 50 हजार हेक्टेयर तथा धान 22 हजार हेक्टेयर में बोवनी हो चुकी है। इसके अलावा सोयाबीन 9 हजार हेक्टेयर, राहर 8 हजार हेक्टेयर, उड़द 2 हजार हेक्टेयर, ज्वार 200 हेक्टेयर तथा तिल 150 हेक्टेयर क्षेत्र में बोया गया है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जिन क्षेत्रों में खेतों से अतिरिक्त पानी निकल चुका है, वहां किसान तेजी से बोवनी कर रहे हैं, जबकि निचले इलाकों में अभी भी अधिक नमी के कारण मशीनों और कृषि कार्यों में परेशानी बनी हुई है। यदि अगले कुछ दिनों तक मौसम अनुकूल रहा तो जिले में खरीफ बोवनी का कार्य और गति पकड़ लेगा।

फसलों की रकबे बार सूची

कुल लक्ष्य-2,69,663 हेक्टेयर अब तक धान की बोवनी- 22,000 हेक्टेयर से अधिक मक्का-50,000 हेक्टेयर से अधिक सोयाबीन-9,000 हेक्टेयर से अधिक तुअर- 8,000 हेक्टेयर से अधिक उड़द- 2,000 हेक्टेयर से अधिक ज्वार-200 हेक्टेयर से अधिक
तिल- 150 हेक्टेयर वुवाई हो चुकी है।

समझदारी से करें फसलों का चयन

जिले में मानसून की शुरुआत अपेक्षा से देर से होने के कारण खरीफ सीजन की बोवनी भी विलंब से शुरू हुई। इसके बाद लगातार हुई बारिश से कई स्थानों पर खेतों में पानी भर गया, जिससे बोवनी का कार्य प्रभावित हुआ। अब मौसम खुलने के साथ किसान तेजी से खेतों में उतर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को बोवनी के लिए फसलों के चयन में समझदारी और सावधानी रखना जरूरी है। जिससे मौसम के कारण फसलों पर असर न हो। साथ ही किसान मेढ़ नाली पद्धति से खेती करें, खेतों में जलभराव की समस्या न हो इस पर विशेष ध्यान दें। जैविक खेती को बढ़ावा दें। ताकि फसलों की उपज अच्छी हो। किसानों को अपनी भूमि के अनुसार फसलों का चयन करना आवश्यक है ताकि किसानों को किसी प्रकार से आर्थिक नुकसान ना हो।

दिव्यांग छात्र चंदन मेहरा को मिली ट्राई साइकिल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर तहसील के ग्राम बचई निवासी चंदन मेहरा पिता श्री फुल सिंह मेहरा जो हाई सेकेंडरी स्कूल बचई में कक्षा 10 वीं का छात्र है, को जिला प्रशासन द्वारा ट्राई साइकिल प्रदान की गई है। चंदन का एक पैर घुटने के ऊपर से कटा हुआ है, जिसके कारण उसे स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस सहायता से अब उसे विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और वह अपनी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रख सकेगा।

सीवर लाइन और स्ट्रीट लाइट के लिए शहरवासी दर-दर भटकने को मजबूर

पटेल कॉलोनी की बदहाली जनसुनवाई में 120 आवेदनों की सुनवाई, दिव्यांग महिला को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के मुशरान वार्ड स्थित पटेल कॉलोनी की गली नंबर 2 के निवासी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने आज जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपनी समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है।

पांच माह से अधूरा है सीवर लाइन का काम

निवासियों का आरोप है कि उनके मोहल्ले में सीवर लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हुए पांच महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक ठेकेदार द्वारा इसे चालू नहीं किया गया है। इसके चलते घरों के सीवर कनेक्शन मुख्य लाइन से नहीं जोड़े गए हैं, जिससे गंदे पानी की निकासी की

कोई उचित व्यवस्था नहीं है। निवासियों ने चिंता जताई है कि इस जलभराव और गंदगी के कारण क्षेत्र में गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।

अंधेरे में डूबी गली, दुर्घटना का डर

सीवर की समस्या के अलावा, पटेल कॉलोनी गली नंबर 2 के निवासियों ने बिजली के खंभे न होने पर भी नाराजगी जताई है। लोगों का कहना है कि स्ट्रीट लाइट न होने के कारण रात के समय आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और आए दिन दुर्घटनाओं का डर बना रहता है।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

स्थानीय निवासियों ने कलेक्टर महोदय से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को तत्काल निर्देश दिए जाएं ताकि सीवर लाइन कनेक्शन को चालू किया जा सके और कॉलोनी में बिजली के खंभे लगाकर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

दिव्यांग महिला को मिली राहत

मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान तेंदूखेड़ा तहसील के ग्राम रमपुरा निवासी दिव्यांग महिला श्रीमती धन्ना बाई अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उनकी बात संवेदनशीलता के साथ सुनी और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर ही श्रीमती धन्ना बाई का यूडीआईडी कार्ड बनवाया गया तथा उन्हें दिव्यांग पेंशन का स्वीकृति आदेश भी प्रदान किया गया।

जनसुनवाई में 120 आवेदनों की सुनवाई

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं मांगों के कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव है, उनका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शेष मामलों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। जनसुनवाई के दौरान उपस्थित जिला अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए निराकरण सुनिश्चित किया।

मृत्यु भोज को कहा 'ना' दीनू सिंह छिरा ने दी समाज सेवा की मिसाल, 1 लाख की सामग्री दान की घोषणा

माताजी के निधन पर भोज की जगह 36500 हजार का दान किया, 3 साल में देंगे कुल 1 लाख रुपए

गोटेगांव। गांधी वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि एवं जिला कांग्रेस सचिव *श्री दीनू सिंह छिरा* ने समाज में फैली *मृत्यु भोज जैसी कुप्रथा* पर कड़ा प्रहार कर एक नई मिसाल कायम की है।

मां की स्मृति में समाज सेवा

अपनी पूज्यनीय *माताजी स्व. फूलाबाई छिरा* के निधन के उपरांत दीनू सिंह छिरा ने मृत्यु भोज का आयोजन नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने समाज को 25,000 रुपये की सामग्री दान* कर पीड़ित और जरूरतमंद परिवारों की मदद करने का निर्णय लिया।

दान सामग्री

01 डबल गैस बड़ी भट्टी, 02 बड़े गंज, 02 ढक्कन, 01 बड़ी कढ़ाई, 04 बाल्टी, 02 पानी जग 04 करछली/ चम्मच 01 पानी की टंकी/नीला ड्रम 01 कोपर आदि सामग्री भेंट की

है।

1 लाख की बड़ी घोषणा- दीनू सिंह छिरा यहीं नहीं रुके। उन्होंने घोषणा की है कि वे *कुल 1 लाख रुपये की सामग्री समाज को दान* करेंगे। इसके तहत वे *लगातार 3 वर्षों तक हर वर्ष 25-25 हजार रुपये की राशि* समाज सेवा में देंगे।

इन सब के अतिरिक्त सिलावट समाज के प्रदेश महामंत्री ने एक और दूसरी पहल को अंजाम दिया है।

11500 की राशि के 50 स्कूली बैग भी करेंगे दान

दीनू सिंह छिरा ने स्पष्ट कहा कि "बच्चों के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।"इसी सोच के तहत उन्होंने *समाज के जरूरतमंद 50 स्कूली बच्चों के लिए 11,500 रुपये की राशि के स्कूल बैग दान* करने का निर्णय लिया है।

कुल 36500 रुपए की राशि से खाना बनाने हेतु बर्तन सामग्री व 50 स्कूली बैग वह समाज के जरूरतमंदों के लिए सप्रेम दान कर रहे हैं।

समाज में सकारात्मक संदेशः उनकी इस पहल की सर्वत्र सराहना हो रही है। सिलावट समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि "मृत्यु भोज में लाखों रुपये बर्बाद हो जाते हैं। दीनू सिंह ने दिखाया कि माताजी की सच्ची श्रद्धांजलि समाज सेवा है। इससे समाज को एक नई दिशा मिलेगी। दीनूसिंह छिरा ने समाज के लोगों से भी अपील की है की मृत्यु भोज को बंद करे, जितना बन पड़े अपनी इच्छा अनुसार समाज में दान स्वरूप में सामग्री भेंट कर, और समाज के जरूरतमंद स्कूली बच्चों की मदद कर सहयोग करें यही अपनों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बरगी नहरों से खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए मांग पत्र आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वर्ष 2026 की खरीफ फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने गोटेगांव व नरसिंहपुर तहसील के लगभग 126 ग्रामों के किसानों से 31 जुलाई 2026 पूर्व मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से खरीफ फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर से हरेरी शाखा नहर एवं करेली वितरण नहर व देवरी वितरण नहर, बगासपुर माइनर, रामनिवारी माइनर, तिघरा माइनर एवं कमांड की माइनरोंसब माइनरों से लगभग 3 हजार हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से खरीफ फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है।

एसडीएम की जनसुनवाई में 31 आवेदन कई समस्याओं का मौके पर समाधान

जनसुनवाई में जनता की सुनी फरियाद, लापरवाही पर सख्ती के दिए निर्देश

गोटेगांव। प्रशासन को आमजन से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को एसडीएम श्रीमती संघमित्रा गौतम की अध्यक्षता में एसडीएम कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित कुल 31 आवेदन प्रस्तुत किए।

प्राप्त आवेदनों में राजस्व, पेंशन, राशन कार्ड, अतिक्रमण, कृषि, नाली-नल कनेक्शन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। कई आवेदक लंबे समय से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद अपनी शिकायत लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

कई आवेदनों का तत्काल निराकरण

एसडीएम श्रीमती गौतम ने कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया। जिन प्रकरणों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उनमें संबंधित विभागों को समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में तहसीलदार, कृषि विभाग के अधिकारी, नगर पालिका सीएमओ, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैंक के सामने पार्किंग व्यवस्था ना होने से सड़कों पर लगता है जाम

बनती है हाट टांक की स्थिति

तेंदूखेड़ा । इन दिनों पार्किंग व्यवस्था को लेकर विवादों की मुख्य बजह देखने को मिल रही है। जिला प्रशासन ने भी सुधार की दिशा में पार्किंग वाले क्षेत्रों में नोटिस भेजना शुरू किया था लेकिन तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय में इसका कोई असर नहीं पड़ा है।बस स्टैंड से मंडी चौराहे तक सड़क मार्ग सड़कें चौड़ी बन जाने के बाद भी पार्किंग व्यवस्था और आवागमन में पीड़ा दायक बनें हुए हैं।लोग अपनी मनमानी पर अमादा है मनचले ढंग से कहीं भी बाहन खड़े होना भी एक कारण बना हुआ है।तेंदूखेड़ा के पुराने बस स्टैंड से कृषि उपज मंडी तरफ जाने वाली सड़क मार्ग पर बैंकिंग क्षेत्र की संस्थाओं डाक्टरों की क्लीनिकें सोने चांदी और अनाज व्यापारियों की दुकानें बड़ी संख्या में हैं। लेकिन इस सड़क मार्ग पर आज स्थिति यह बनीं हुई है कि चौड़ी सड़क बन जाने के बाबजूद भी सड़क आज सकरी बनीं हुई है।मनचले तरीके से लोगों को बाहन खड़ा करके जाना सामने तरफ से आने वाले भारी वाहनों को बाहन निकालने में होने वाली परेशानी हाट टांक देखने को मिला करती है। ऊपर से मवेशियों का जमावड़ा कोड़ में खाज वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है।

बैंक के सामने नहीं है पार्किंग व्यवस्था

मंडी सड़क मार्ग पर मुख्य रूप से अब एक मात्र राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा और कियोस्क बैंक सेवा संचालित है लेकिन इनके सामने पार्किंग की कोई उचित व्यवस्था ना होने के कारण शाखाओं के बाजू से रहने वाले अन्य व्यापारी वर्ग रहवासी परेशान बनें हुए हैं।आये दिन बाहन खड़ा करने को लेकर कहासुनी होना अब आम बात हो गई है। बैंकों के प्रबंधनों को चाहिए कि अपने अपने व्यवसाय के चक्कर में दूसरे अन्य व्यापारी वर्ग परेशान ना हो। नगर में मुख्य रूप से पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। शनिवार के दिन लगने वाले साप्ताहिक बाजार या फिर प्रमुख डाक्टरों के क्लीनिकों के समीप मरीजों को लेकर आने वाले वाहनों को खड़ा करने की बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है।बाहन भी यहां वहां खड़े करने से उनकी सुरक्षा को लेकर बड़ी समस्या बनी हुई है। तेंदूखेड़ा के स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि इस दिशा में प्रमुखता से उचित व्यवस्था बनाई जाये।

जर्जर हो चुके पुलों की बढ़ाई जाये ऊंचाई

आये दिन होते रहते हैं गंभीर हादसे

तेंदूखेड़ा । तेंदूखेड़ा से इमझिरा और डोभी होकर बरमान जाने वाले सड़क मार्ग पर इमझिरा के समीप बरांझ नदी और डोभी के समीप पांडाझिर नदी पर बने पुल अपनी उम्र दराज पूर्ण कर लेने के उपरांत अब जर्जर होकर अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। कभी भी धराशाई होने के साथ गंभीर हादसों को आमंत्रण भी देने लगें हैं।इन दोनों नदियों पर बनें पुलों की ऊंचाई बहुत ही कम है। थोड़ी सी वारिश में आने वाले बाढ़ के पानी के कारण पुलों के ऊपर से पानी हो जाने के कारण सड़क मार्ग बंद हो जाता है।इस मार्ग के लोगों को घूम कर आवागमन करना पड़ता है।

निकल आये है बड़े-बड़े गड्ढे

इमझिरा के समीप बरांझ नदी पर बने पुल की यह स्थिति बनी हुई है कि इनमें बढ़े बढ़े गड्ढे निकल आये है जिसमें छोटे बाहन चालकों को रात्रि में आवागमन के दौरान परेशानी हुआ करती है। अनेकों बार गड्ढे बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर टेक्टर ट्रालियां भी पलट चुकी है।असमय मौतें हो चुकीं है। छोटी कारों के चाक पर इन गड्ढों में फंस जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।समय समय पर जैसे तैसे इन गड्ढों को भर दिया जाता है लेकिन कुछ समय बाद पुनः वही स्थिति बन जाती है। कुछ समय पूर्व एक हिस्सा टूट भी गया था लेकिन उसमें वोल्डर पत्थर भरकर पुनः बना दिया गया लेकिन अब फिर वही स्थिति बनने लगी है। आखिर ऐसा कब तक चलेगा।

हो रहा है मिट्टी का कटाव

पिछले कई दिनों से देखने में आ रहा है कि बरसात के दौरान बाढ़ के पानी से नदी का कटाव बड़ी मात्रा में होता चला जा रहा है। जिससे पाट काफी चौड़ा हो रहा है और बाजू से बनें पुल के लिए भी घातक सिद्ध हो रहा है। इस कटाव से ऊपर ग्राउंड और शवदाह गृह के लिए भी भविष्य में परेशानी के साथ जगह कम पड़ने लगेगी।समय रहते इन पुलों की ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई तो आने वाले समय में और भी परेशानियां जन्म ले लेंगी। बरमान से तेंदूखेड़ा तक सड़क चौड़ी करण के दौरान इन दोनों पुलों के निर्माण ऊंचाई बढ़ाने को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था लेकिन सेतु निगम द्वारा इस विषय पर अपनी सहमति प्रदान नहीं की। क्षेत्रीय लोगों ने तत्काल प्रभाव से इन दोनों पुलों की ऊंचाई बढ़ाने की दिशा में उचित कार्यवाही की मांग की है।